

GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 13 साधूपदेश

GSEB Class 10 Hindi Solutions साधूपदेश Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

कवि भक्तगण को कौन-से गुण ग्रहण करने की बात करते हुए व्यंग्य करते हैं ?

- (अ) पोथी पढ़कर ज्ञानी बनना
- (ब) हाथ में गोमुखी लेकर ईश्वर स्मरण करना
- (क) मुख में राम बगल में छुरी चलाना
- (ड) उपदेश सुनना

उत्तर :

- (ब) हाथ में गोमुखी लेकर ईश्वर स्मरण करना

प्रश्न 2.

आजकल के साधु के सामने कोई तर्क करने आये तो वे क्या युक्ति करेंगे ?

- (अ) अपने को ही ज्ञानि सिद्ध करेंगे
- (ब) डर के मारे वाद-विवाद ही नहीं करेंगे
- (क) अपनी झोंपड़ी में प्रवेश ही नहीं करने देंगे
- (ड) अपनी पोल खुल न जाए इसके लिए मौन रहेंगे

उत्तर :

- (ड) अपनी पोल खुल न जाए इसके लिए मौन रहेंगे

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

दिखावा करते हुए साधु कैसा व्यवहार करता है ?

उत्तर :

दिखावा करते हुए साधु हाथ में गोमुखी लेकर माला फेरता रहता है और ऊपर से विनम्र बना रहता है और अंदर से छल-कपट करने से नहीं चूकता।

प्रश्न 2.

साधु उपदेश देने के लिए झोंपड़ी कहाँ बनाते हैं ?

उत्तर : साधु का शरीर दिव्य और चमकता हुआ है तथा उसका सिर घुटा हुआ और सीप की तरह चिकना है।

प्रश्न 3.

दंभी साधुओं को किस बात का भय सताता है ?

उत्तर :

दंभी साधुओं को इस बात का भय सताता है कि यदि कोई तर्क करने के लिए आ जाए और वे उसका उचित जवाब न दे पाएँ, तो उनकी पोल न खुल जाए।

प्रश्न 4.

साधु मौन धारण क्यों करते हैं ?

उत्तर :

साधु इसलिए मौन धारण करते हैं, ताकि यदि कोई उनसे कोई गूढ़ प्रश्न पूछे, तो उसका उत्तर देने से वे बच सकें। इस युक्ति से उनका धर्मसंकट कट जाता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

ढोंगी साधु भक्तजनों को क्या उपदेश देते हैं ?

उत्तर :

ढोंगी साधु अपने भक्तजनों को उपदेश देते हैं कि वे अपने हाथ में गोमुखी लेकर माला फिराने का ढोंग करते रहें। ऊपर से विनम्र और सज्जन दिखने का ढोंग करते रहें, पर अंदर से छल-कपट करने से न चूकें। शहर से दूर झोपड़ी बनाकर निवास करें और सिर मुंडा कर, चंदन आदि से श्रृंगार करते रहे। मौनव्रत धारण करें, फल की इच्छा न करें, नर्क की परवाह न करें और खूब पाप करें।

प्रश्न 2.

ढोंगी साधु मौनव्रत क्यों धारण करते हैं ?

उत्तर :

ढोंगी साधुओं के पास कभी-कभी कुछ लोग विभिन्न विषयों पर तर्क करने के लिए आते हैं। वे साधुओं से अपने प्रश्नों के उत्तर की अपेक्षा करते हैं। ढोंगी साधु इस प्रकार के प्रश्नों के उत्तर से अनभिज्ञ होते हैं। ऐसे अवसर पर ढोंगी साधुओं के समक्ष धर्मसंकट पैदा हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए ढोंगी साधु मौनव्रत धारण करने का बहाना बना लेते हैं। यह युक्ति अपनाने से ढोंगी साधुओं से कोई भी व्यक्ति तर्क करने की हिम्मत नहीं करता।

प्रश्न 3.

‘साधूपदेश’ काव्य में काका हाथरसी ने किस पर व्यंग्य किया है ?

उत्तर :

‘साधूपदेश’ काव्य में कवि काका हाथरसी ने उन अनपढ़ और ढोंगी लोगों पर व्यंग्य किया है, जो अपने आपको साधु के रूप में पेश करते हैं और वास्तविक साधुओं की भाँडी नकल कर अपना उल्लू

सीधा करते हैं। इन लोगों को ज्ञानप्रद बातों से कुछ लेना-देना नहीं होता और वे ज्ञान की या परीक्षा की घड़ी आने पर मौनव्रत धारण करने का बहाना बना लेते हैं। ये बड़े-से-बड़ा पाप करने से भी नहीं डरते।

4. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

प्रश्न 1.

पोल खोलना

उत्तर :

पोल खोलना - रहस्य प्रकट करना वाक्य : ढोंगी बाबा की पोल खुल गई।

5. निम्नलिखित शब्दों के विरोधी शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. प्रिय ×
2. नम्र ×
3. भीतर ×
4. भय ×
5. मौन ×

उत्तर :

1. प्रिय × अप्रिय
2. नम्र × उड़्ड
3. भीतर × बाहर
4. भय × निर्भयता
5. मौन × मुखर

6. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए :

प्रश्न 1.

1. स्वर्ग -
2. चमक -
3. तर्क -
4. धर्म -
5. देह -
6. नगर -

उत्तर :

1. स्वर्ग - स्वर्गीय
2. चमक - चमकीला
3. तर्क - तार्किक
4. धर्म - धार्मिक
5. देह - दैहिक
6. नगर - नागरिक

7. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए :

प्रश्न 1.

1. नम्र -
2. काँपना -
3. गुणी -
4. भयभीत -

उत्तर :

1. नम्र - नम्रता
2. कोपना - कैपन
3. गुणी - गुण
4. भयभीत - भयभीति

8. निम्नलिखित शब्दों का कर्तृवाचक संज्ञा बनाइए :

प्रश्न 1.

1. उपदेश -
2. धर्म -
3. झगड़ा -

उत्तर :

1. उपदेश - उपदेशक
2. धर्म - धार्मिक
3. झगड़ा - झगड़ालू